

Lumumba, and the deteriorating situation there? May I know what will be our policy, and whether we are calling our non-comatant forces from there or not?

The Prime Minister and Minister of External Affairs (Shri Jawaharlal Nehru): Sir, this question and its answer are obviously out of date. Much has happened since this answer was drafted to this question. I do not know if you would like me to say something about the present situation in the Congo at this stage in answer to a supplementary or at a somewhat later stage.

Mr. Speaker: He may make a full statement at a later stage.

Shri Jawaharlal Nehru: I am prepared to make the statement here and now or at the end of the Question Hour, when you choose.

Mr. Speaker: I have received notice of a motion where Shri Dange, Shri Gopalan and others have said that they want to raise this matter about the death of Mr. Lumumba. I am sorry I have got the contagion from Shri Tantia. If the hon. Prime Minister is inclined, he may make a statement.

Shri D. C. Sharma: Sir, I have tabled a Short Notice Question on this subject.

Shri Jawaharlal Nehru: I would mention, if I may, that my statement is likely to be a brief one then or now, because the matter even at the present moment is under discussion between countries and in the Security Council, and it is rather difficult to say what the result of those discussions may be. It may be that in two days or three days something may emerge. So one has to be a little vague. But broadly speaking, because our attitude is known—the horror on this murder of Mr. Lumumba.....

Mr. Speaker: Whatever statement he wants to make he may make at the end of the Question Hour.

Shri Khadilkar: Sir, as in the case of South Africa, where this House formally expressed its sense of grief and horror at the atrocities committed, would this House get an opportunity to express its sense of horror in a formal way regarding the murder of Mr. Lumumba?

Mr. Speaker: Let us wait and hear the hon. Prime Minister.

Shri Tyagi: Let us not depart from the old conventions of the House. There may be reasons which justify it. Every one is sorry for it. But shall we express it in the House like this?

Mr. Speaker: Next question.

दिल्ली के स्कूलों में टेलीविजन द्वारा शिक्षा

+

*- { श्री भक्त दर्शन :
श्री नवल प्रभाकर :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री ६ अगस्त, १९६० के तारकित प्रश्न संख्या २४० के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि दिल्ली के स्कूलों में टेलीविजन द्वारा शिक्षा देने की जिस योजना पर विचार किया जा रहा था, उसे लागू करने की दिशा में अब तक क्या प्रगति हुई है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री के सभा-सचिव (श्री छा० बा० जोशी) : मामूली प्राप्त करने और अध्यापकों के प्रशिक्षण के प्रबन्ध को शुरू करने के लिये प्रारम्भिक कदम उठाये गये हैं ताकि दिल्ली के स्कूलों के लिये नियमित टेलीविजन सेवा जुलाई, १९६१ में प्रारम्भ हो सके ।

I shall read it in English also.

Preliminary steps to obtain the equipment and to initiate arrangements for the training of teachers

have been taken so that the regular T.V. service for Delhi schools might begin in July 1961.

श्री भक्त बर्षन : क्या यह टेलीविजन के द्वारा शिक्षा देने के बारे में दिल्ली के अध्यापकों अथवा ग्रीर सरकारी कर्मचारियों को विदेशों में भेजने की कोई व्यवस्था की गई है और यदि की गई है तो वे कब तक लौट रहे हैं ?

श्री प्रा० चं० जोशी : दो लोग टेली-विजन प्रोग्राम प्रोड्यूसर 'भाल इंडिया रेडियो और डायरेक्टर आफ एजुकेशन दिल्ली स्टेट के अमरीका भेज गये हैं वेम्सविल्ले और हैगम टाउन में और वे वहां एक महीने के लिये गये हैं। वहां से आने पर वे वहां के टीचर्स को फोर्ड फाऊंडेशन के कमलटेंटम महोदय के माध्यम मिल करके शिक्षा देंगे।

श्री भक्त बर्षन : पिछली बार एक प्रश्न का उत्तर देने हुये बताया गया था कि अभी तक यह निर्णय नहीं हो पाया है कि कौन कौन विषयों में इस माध्यम से शिक्षा दी जाएगी। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या उन विषयों का निर्वाचन कर लिया गया है जिनकी कि इस टेलीविजन के द्वारा विशेष तौर से शिक्षा दी जायगी ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (डा० केशकर) : इस बारे में कोई निर्णय नहीं किया गया है लेकिन दो या तीन विषय टेलीविजन द्वारा सिखाये जायेंगे जिन की प्राइयो-विजुअल तरीके से शिक्षा देना सब से उपयोगी होगा और ज्यादा फायदा पहुंच सकेगा।

श्री नवल प्रसाद : क्या मैं जान सकता हूँ कि टेलीविजन का आप जो प्रसारण करने उममें पार्षाण क्षेत्रों में जो बच्चे हैं, वे भी क्या कोई लाभ उठा सकेंगे ?

1882(Ai) LS-2.

डा० केशकर : दिल्ली स्टेट के अन्दर जिनने सैकेंड्री स्कूल हैं उन सब में यह शिक्षा दी जायगी चाहे वे दिल्ली शहर में हों या दिल्ली के गांवों में।

श्री राधा रत्न : क्या माननीय मंत्री जी ने बताया है कि आवश्यक सामग्री एकत्रित की जा रही है और मन् १९६१ में यह प्रयोग टेलीविजन का स्कूलों के अन्दर किया जाएगा। क्या यह बताया जा सकता है कि अधिक से अधिक समय इसमें कितना लगेगा और कब तक यह चालू हो सकेगा ?

डा० केशकर : उत्तर में बताया गया था कि जुलाई में जब नया सेशन शुरू होगा उस समय से यह प्रयोग जारी किया जाएगा।

Shri D. C. Sharma: May I know whether these television broadcasts will be in addition to the school broadcasts or they will replace the school broadcasts?

Dr. Keskar: These have nothing to do with broadcasts. This television service is entirely a separate thing.

Mr. Speaker: Next question—
Shrimati Ila Palchoudhuri.

Shri Raghunath Singh: Sir, I gave you notice some five minutes before that Question No. 23 relating to China-Bhutan border dispute should be taken up today.

Mr. Speaker: But I am not bound to take it up.

Shri Raghunath Singh: This is a request.

Mr. Speaker: Very well. Question No. 23 may be answered.

Shri A. M. Tariq: Sir, I had made a request that Question No. 12 may be taken up.

Mr. Speaker: I have called Question No. 23 now.